>

Title : Problems arising out of polluted leakage from the Tailing Dam in Balaghat and rehabilitation of the affected people.

श्री के.डी. देशमुख (बालाघाट): माननीय सभापति जी, मध्य प्रदेश के बालाघाट जिले में मलाजखंड की तामू परियोजना के विस्तारीकरण का जनता द्वारा तीव्र विरोध किया जा रहा है। इस योजना के लिए 1973 से 1984 तक 903 किसानों की 2917 एकड़ भूमि का अधिगृहण किया गया है। किसानों और एचसीएल प्रबंधन के बीच हुए करार का पालन नहीं किया जा रहा है। अनुबंध के समय जिन किसानों के परिवारों में नाबालिग बच्चे थे, उनको नौकरी नहीं दी गई थी। अब उनके परिवारों के बच्चे बालिग हो गए हैं जिन्हें नौकरी दिये जाने की आवश्यकता है। एचसीएल में कार्यरत किसी कर्मचारी की यदि सेवाकाल के दौरान मृत्यु हो जाती है तो उनके आश्रितों को एचसीएल में नौकरी नहीं दी जा रही है। दूसरा प्रमुख कारण है कि टेलिंग डैम से निकलने वाले ज़हीरीले पानी का रिसाव नर्मदा नदी में मिल जाता है जो विश्वप्रसिद्ध कान्हा नेशनल पार्क से गुज़रती है। इसके कारण ज़हरीला पानी पीने से वन्य प्राणियों की मौतें हो रही हैं। आम लोगों और मवेशियों पर इसका बुरा असर पड़ रहा है। करीब 10 से 12 किलोमीटर इलाके में इसका बुरा असर पड़ रहा है। एसिडयुक्त पानी के रिसाव के कारण किसानों के खेतों का उपजाऊ पानी नष्ट हो गया है। मैं आपके माध्यम से माननीय खान मंत्री से मांग करता हूँ कि इसकी जाँच की जाए और ज़हरीले पानी के रिसाव को रोका जाए और विस्थापितों के परिवारों को नौकरी प्रदान की जाए। हिन्दुस्तान कॉपर लिमिटेड, मलाजखंड में हो रही अनियमितताओं की जाँच केन्द्र से टीम भेजकर करवाई जाए।